आदिवासी धारा

आदिवासी विमर्श की पत्रिका

त्रैमासिक ई - पत्रिका
अंक : 02 | फरवरी - अप्रैल, 2026

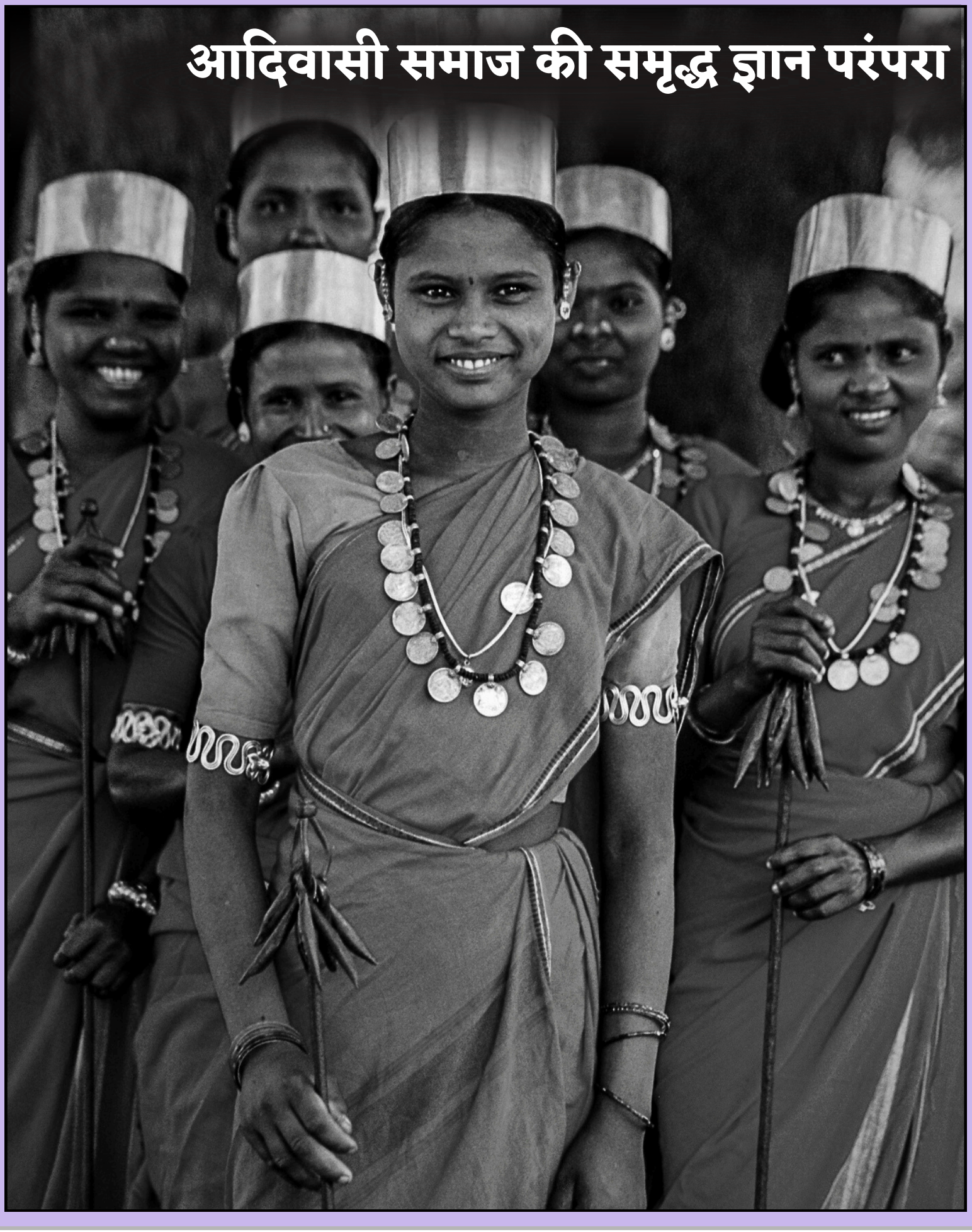

आदिवासी समाज की समृद्ध ज्ञान परंपरा

आदिवासी धारा

मुख्य संपादक

राहुल कुमार

संपादक

डॉ. हरिराम

डॉ.गिऱ्हे दिलीप लक्ष्मण

आदित्य राज नीरद

सह संपादक

धर्मेन्द्र कुमार गोंड

राज मोहन

अभय दुबे

संपादकीय सलाहकार

डॉ. सुनील कुमार 'सुमन'

संपादकीय संपर्क

संपादक - आदिवासी धारा

घर संख्या - 88 पुरवारा टोला, गांव - मेराल, जिला - गढ़वा (झारखंड),

पिन - 822133

ई-मेल - adivasidhara10@gmail.com

व्हाट्सएप नं. - 8102087424

आवरण - सुधारक ओलवे (पद्मश्री)

पृष्ठ सज्जा - राहुल कुमार

© प्रकाशकाधीन

• संपादन एवं प्रबंध पूर्णतया अवैतनिक व अव्यवसायिक

प्रारंभ वर्ष - नवंबर 2025

संपादक - स्व - प्रकाशित ई - पत्रिका (डिजिटल)

(प्रकाशन हेतु भेजी जाने वाली सामग्री अथवा रचनाओं के प्रकाशन हेतु संपादक का निर्णय ही मान्य होगा। प्रकाशित रचनाओं की रीति - नीति या विचारों से संपादकों की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में पूर्ण रूप से लेखक की जिम्मेदारी होगी।)

प्रिय पाठकगण,

"आदिवासी धारा" एक वैचारिक-साहित्यिक पत्रिका है, जो आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा, संघर्ष और अस्मिता की आवाज़ है। यह जनजातीय जीवन, अधिकारों और सरोकारों को सशक्त अभिव्यक्ति प्रदान करती है। हम आपके सहयोग एवं सहभागिता की अपेक्षा रखते हैं, जिससे यह प्रयास और अधिक सशक्त बन सके। आप इच्छानुसार हमें आर्थिक सहयोग भी प्रदान कर सकते हैं। आर्थिक सहयोग हेतु नीचे दिए गए UPI विवरण के माध्यम से योगदान किया जा सकता है।

आपका छोटा-सा सहयोग हमारी इस पत्रिका को नई ऊर्जा एवं प्रोत्साहन प्रदान करेगा।

UPI आई .डी . -8102087424-2@ybl

RAHUL KUMAR

पत्रिका का पी.डी.एफ. प्राप्त करने के लिए आप दिए गए बार कोड या यू.पी.आई. पर राशि भेज सकते हैं . आप हमारे सदस्य भी बन सकते हैं , जिससे आपको समय समय पर प्रकाशित अंक उपलब्ध कराए जा सकें .

सदस्यता शुल्क :

त्रैमासिक - बीस रुपये मात्र

वार्षिक - सत्तर रुपये मात्र

पत्रिका नॉट नल पर उपलब्ध हैं . आप नॉट नल वेबसाइट (www.notnul.com) पर जाकर पढ़ सकते हैं।

यह पत्रिका वर्तमान में पूर्णतः ई-पत्रिका (डिजिटल स्वरूप) में संपादन की जा रही है। इसके मुद्रण (प्रिंट) अथवा वितरण की अनुमति इस समय प्रदान नहीं की गई है। विशेष परिस्थितियों में, प्रकाशक की पूर्वानुमति प्राप्त होने पर ही इसके मुद्रित प्रतियों का प्रकाशन या वितरण किया जा सकेगा। यदि कोई व्यक्ति या संस्था बिना संपादक की लिखित अनुमति के इस पत्रिका की मुद्रित प्रतियाँ तैयार करके उनका वितरण करती \ करता है, तो ऐसी स्थिति में उत्पन्न होने वाली किसी भी कानूनी कार्यवाही के लिए वह स्वयं पूर्णतः उत्तरदायी होगा।

अनुक्रमणिका

1. संपादकीय / आदिवासी ज्ञान परंपरा से ही धरती जीवित रहेगी / राहुल कुमार / 4
2. कविता / आदिवासी जीवन:सच का परचम / डॉ. खन्नाप्रसाद अमीन / 6
3. विचार/ उनसे हम हैं, हमारी उन्हें जरूरत नहीं / सुसंस्कृति परिहार/ 7
4. वार्ता / डॉ. रुद्र चरण मांझी और डॉ. हरिराम के बीच बातचीत / 09
5. विचार / आदिवासी जीवन दृष्टि का मौन संदेश: प्रकृति, समुदाय और संतुलन / हरेंद्र प्रसाद / 11
6. विचार / जनजातीय पूर्वोत्तर का पुनर्पाठ / प्रो. भरत प्रसाद /13
7. शोध आलेख / एलिस एक्का की कहानी में आदिवासी दर्शन / डॉ . रक्षा गीता / 17
8. विमर्श / आदिवासी जीवन : मिथक और प्रकृति/ डॉ. नीना छिब्बर /21
9. पवन शर्मा की कविताएं / 22
10. विचार / जोहार क़ुदरत / डॉ.सुनीता घोगरा /24
11. गोलेंद्र पटेल की कविताएं / 26
12. विचार / आदिवासी लोक कलाओं में पारंपरिक निजता का ह्रास: एक चुनौती / राजेश पाठक / 28
13. कविता / आदिवासी संस्कृति का पुनर्जागरण/ श्रीलाल जे एच आलोरिया / 29
14. लोक संस्कृति / सिद्दी जनजाति: भारत के 'अफ़्रीकी' रत्न की जीवन संस्कृति/धर्मेंद्र कुमार गोंड /30
15. विमर्श / आदिवासी साहित्य की अवधारणा एवं चिंतन परंपरा / अंकित कुमार मौर्य / 32
16. विविध/ स्वतंत्रता संघर्ष में गुंडाधुर का योगदान / प्रतिभा गोंड/34
17. विचार/ आदिवासी ज्ञान परंपरा और प्रकृति संरक्षण/ अभय दुबे / 36
18. विमर्श/आदिवासी समुदाय की ज्ञान परंपरा पर विचार / राकेश उरांव/37
19. विविध/ जल जंगल जमीन से रक्तिम संघर्ष की कहानी : बिरसा मुंडा/ अजय पोद्दार ‘अनमोल’/40
20. विचार/ नेफ़ा सुंदरी नेफ़ा में वर्णित ‘आदि जनजाति’ का जीवन/ बेंगिया तेरी / 42
21. पर्व विशेष/ आधुनिकता के बीच लुप्त होती करमा संस्कृति/ अनिता कुमारी/ 44
22. विचार/ लाप्या प्रथा और उसका सामाजिक संदर्भ / आया ब्राह /45
23. विचार/ गोंड चित्रकला : प्रकृति परंपरा और प्रगति का अद्भुत संगम / अनुभव गोंड/ 47
24. कहानी/ दिखावे के उस पार/ प्रगति परमेश्वर तेलंग/ 49
25. लोककथा/दोजांग यासांग : अरुणाचल प्रदेश की एक प्रसिद्ध लोककथा/ गोदक यूनियम/50
26. विविध/ कुछ तो लोग कहेंगे/ प्रियंका प्रकाश मोटरगे / 51
27. विचार/ आदिवासी अस्मिता और धार्मिक पहचान / अमित कुमार खटीक/52
28. विचार/ जे नाची से बाची / प्रिया कुमारी / 53
29. विचार/ झारखंड के आदिवासी : पहचान और अस्तित्व का संकट / भूषण कुमार / 54